



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



Cadaver Organ Donor

Lt. Ranjanben Pravinbhai Chavda

Donated her: Kidney, Liver & Corneas

Date:- 02/10/2021

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

1st liver transplant carried out in Surat

Yagnesh.Mehta
@timesgroup.com

Surat: A young yoga trainer infused life into five persons when her family donated her organs after she was declared brain dead on Friday.

The liver, two kidneys and two eyes of 40-year-old Ranjan Chavda were harvested and transplanted into five beneficiaries.

Her liver was transplanted to a city-based businessman, making it the first case of liver donation and transplantation in the city.

Chavda, a resident of Segvi village in Valsad, was hit by some unidentified vehicle near Dharampur crossroad on September 30 when she was going on her moped.

She was going to her sis-



Yoga trainer Ranjan Chavda's (inset) organs were donated to needy

ter's home when the accident occurred. She suffered a serious head injury and fracture.

Chavda's husband works as a driver while her son Jay (16) is Class XI student.

On being shifted to a private hospital, she was diagnosed with brain hemorrhage and blood clot that had developed in her brain. Later she was shifted to Apple Ho-

spital in the city where a surgery to remove blood clot was performed.

However, her condition remained critical. She was declared brain dead and the hospital informed Donate Life, a voluntary organization in Surat working for organ donation, to contact the family.

"The family has shown courage and agreed to donate her organs. This is the first instance of liver donation and transplant in the city. Until now, liver transplantation was never done in the city," said Nilesh Mandlewala, president of Donate Life.

So far 406 kidneys, 171 livers and 308 corneas were donated from Surat through Donate Life.

एक माह में अंगदान का छठा मामला

ब्रेनडेर्ड महिला के अंगदान से 5 जनों को मिला नया जीवन

सूरत में लीवर ट्रांसप्लांट का सफल ऑपरेशन, राजकोट और आणंद की महिला को मिली किडनी

प्रत्रिका न्यूज नेटवर्क
petrik.com

सूरत, गलसाड जिले में बाइन की चाट में घासक दुर्घटना को सूरत के निजी अस्पताल में ब्रेनडेर्ड योग्यत किए जाने के बाद परिवार ने अंगदान का निषेध किया। जिससे 5 जनों को नया जीवन मिला है। वर्तीं, सूरत के किरण अस्पताल में पहला लीवर ट्रांसप्लांट ऑपरेशन किया गया है।

गलसाड जिले में सेवावी गाव



माणिक बाग निवासी रजन पुर्वीण चावडा (40) 30 सितंबर की सुबह मोर्फेड लेकर बहन तुवजा के घर जाने के लिए निकली थी। इसी दौरान

एक अज्ञात व्याहन ने उनके मोर्फेड की टक्कर मार दी। लाजसे में उनके सिर में गम्भीर चोट आई।



परिजनों ने उनकी निजी अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां से

उहें सूरत के निजी अस्पताल में रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान 2 अवक्तव्य को रंजन को ब्रेनडेर्ड योग्यता किया गया। अस्पताल सहमति मिलने पर उहांने स्टेट ऑफ़िन एंड ट्रिप्यु ट्रांसप्लांट अर्गेनाइजेशन के क्लाऊडाइन्टर से

संपर्क कर अंगदान की जानकारी दी। दूसरे पैलो एक किडनी अहनदालाद के इस्टर्न्स्ट ऑफ किडनी डिजिज रिसर्च सेंटर (आइकेडीआरसी) में राजकोट निवासी 40 वर्षीय महिला और दूसरी किडनी वाहिका के भर्तीताल अभीन अस्पताल में आणंद निवासी 45 वर्षीय महिला और लीवर सूरत के किरण अस्पताल में भर्ती डब्ल्यूगप्टि में ट्रांसप्लांट किया गया है।

वर्तीं, चम्भुओं का दान लोक्टदृष्टि नश्तुरैक के लिए प्राकृत गिरियों ने स्वीकार किया। गौरवरत्नम् है कि सूरत में लीवर ट्रांसप्लांट का पहला ऑपरेशन किया गया है। कोरोना वीर दूसरी लहर में मिथ्ये एक माह में अंगदान का छठा मामला है।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेर्ड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



दुर्घटना के कारण ब्रेन डेड घोषित महिला के अंगों का किया गया दान, सूरत के समाजसेवक को मिला लीवर का दान

सूरत की किरण हॉस्पिटल में किया गया सूरत के समाजसेवक में लीवर का ट्रांसप्लांट

लोकतेज संवाददाता

सूरत। सूरत में एक ही महीने में अंगदान की छढ़ी घटना सामने आई है। जिसमें दुर्घटना के बाद ब्रेन डेड जाहीर किए जाने के बाद वलसाड की योग शिक्षिका के अंगों का दान किया गया था। इसके चलते उनके विभिन्न अंगों का दान करने का निर्णय लिया गया था। योग शिक्षिका का लीवर, किडनी, आंखों का दान किया गया। जिसमें उनका लीवर सूरत के ही एक समाजसेवक और उद्योगपति को ट्रांसप्लांट किया गया था। सूरत के किरण हॉस्पिटल में यह लीवर ट्रांसप्लांट की पहली घटना है। जिसमें योग शिक्षिका ने मृत्यु के बाद भी 5 लोगों को जीवनदान दिया है। गुरुवार को जब योग शिक्षिका रंजनबेन सुबह 10 बजे अपनी बहन तनुजा के यहाँ जा रहे थे तभी वलसाड धरमपुर चौकड़ी के पास उन्हें एक अंजान वाहन चालक ने टक्कर मार दी। इसके चलते वह मोपेड से नीचे गिर पड़े और उनके सर में गंभीर चोट आई। सिटी स्कैन करने पर पता चला की उन्हें



ब्रेन हेमरेज हो गया है।

प्राथमिक इलाज देने के बाद अधिक इलाज के लिए उन्हें सूरत की एपल हॉस्पिटल में दाखिल किया गया था। जहां डॉक्टरों द्वारा उनके दिमाग में जमी हुई खून की गाँठों को दूर किया। पर शनिवार 2 अक्टूबर को उन्हें ब्रेनडेड जाहीर किया गया था। ऐसे में डोनेट लाइफ की टीम ने अस्पताल पहुँचकर रंजनबेन के पति और उनके परिवार के अन्य सदस्यों को उनके ब्रेन डेड होने के बाद उनके अंगों का दान करने के बारे में समझाया था। इस बारे में

रंजनबेन के पति ने कहा कि उसकी पत्नी मर चुकी है और अब उसका शरीर जलकर विलीन ही होने वाला है। ऐसे में यदि उसके अंगों से किसी को नया जीवन मिलता है तो उसके लिए वह अनुमति देते हैं। जिसके बाद स्हूल्कह द्वारा लीवर को सूरत की किरण अस्पताल में एक समाज सेवक को लीवर जबकि एक किडनी अहमदाबाद की इंस्टीट्यूट ऑफ डिसेज एंड रिसर्च सेंटर और दूसरी किडनी वडोदरा की भाईलाल अमीन अस्पताल में दान की गई थीं।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



दुर्घटना में ब्रेनडे� योग टीचर के अंगदान से कईयों को मिला नया जीवन

► सूरत की किरण अस्पताल में लीवर और किडनी के केडेबरीक ट्रांसप्लान्ट की सेवा शुरू होने से प्रथम लीवर ट्रांसप्लान्ट किया गया

बीओटी संवाददाता
सूरत, 03 अक्टूबर

अंगदान को लेकर सूरत शहर के लिए यह काफी गर्व बात है कि, सूरत की किरण अस्पताल में लीवर और किडनी के केडेबरीक ट्रांसप्लान्ट की सेवा शुरू होने से प्रथम लीवर ट्रांसप्लान्ट किया गया। दुर्घटना में ब्रेनडे� वलसाड की योग टीचर के परिवार ने अंगदान का फैसला



कर पाँच लोगों को नया जीवन प्रदान किया गया।

माणेक बाग वलसाड निवासी रंजन बहन योग शिक्षिका है, वे अपनी बहन के घर मोपेड पर जा रही थी, उस दौरान हुई दुर्घटना में गंभीर चोट आने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया। जहाँ पर प्राथमिक इलाज के बाद अधिक इलाज के लिए सूरत की एप्पल अस्पताल में लाया गया।

जहाँ टेस्ट के जरिये उन्हें ब्रेनडे� घोषित किया गया। घटना को लेकर डोनेट लाईफ संस्था द्वारा परिजनों को अंगदान के संदर्भ में जानकारी प्रदान की गई। जिससे रंजन बहन के किडनी, लीवर और आँखों का दान कर कईयों की जिंदगी को रोशन किया गया।

सूरत शहर के किरण अस्पताल में पहला लीवर ट्रांसप्लान्ट शहर के मशहूर

उद्योगपति एवं समाज सेवक में किया गया। एक किडनी अहमदाबाद में राजकोट निवासी महिला और दूसरी किडनी बडोदरा में आणंद निवासी महिला में प्रत्यारोपण की गई। आँखों का दान लोकदृष्टि चक्षु बैंक ने स्वीकार किया।

डोनेट लाईफ द्वारा अब तक 46 किडनी, 26 लीवर, 10 हृदय, 16 फेफड़े, एक पैंक्रियाज, 44 आँखें समेत कुल 143 अंगों और टिश्यू का दान प्राप्त कर 132 लोगों को नया जीवन प्रदान किया। सूरत और दक्षिण गुजरात से डोनेट लाईफ द्वारा 406 किडनी, 171 लीवर, 36 हृदय, 20 फेफड़े, 8 पैंक्रियाज, 308 आँखें समेत कुल 949 अंगों और टिश्यू का दान प्राप्त कर 870 लोगों को नया जीवन रोशन किया गया।



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

अंगदान महादान • 40 वर्षीय रंजनबेन को डॉक्टरों ने ब्रेन डेंड घोषित कर दिया था, डॉक्टरों के समझाने पर परिजन अंगदान को तैयार हुए किरण अस्पताल में पहली बार लिवर हुआ ट्रांसप्लांट, सड़क हादसे की शिकार हुई वलसाड की योगा टीचर के अंगदान से 5 को मिला नया जीवन

हेल्प रिपोर्ट | सुरत

सुरत समेत सातध्य गुजरात से अक्सर ऑर्गेन होनेशन होता है। लैकिन आयुर्विक मौडिकट सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण यहाँ ऑर्गेन ट्रांसप्लांट की सुविधा नहीं थी। लैकिन किरण अस्पताल में अब यह सुविधा उपलब्ध हो गई है। शनिवार को अस्पताल में सूरत महिला अस्पताल में पहली बार लिवर ट्रांसप्लांट का सफल ऑपरेशन किया गया। इससे पहले अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लांट का सफल ऑपरेशन किया गया था। ऑर्गेन ट्रांसप्लांट की सुविधा अहम्यतावाल, मुंबई, दिल्ली और चेन्नई जैसे महानगरों में ही उपलब्ध है। लैकिन सूरत में ऑर्गेन डानेनेस के मालामाल में लोग बहुत जागरूक और सजग हैं। इसलिए लंबे समय से यह डिमांड थी कि सूरत में भी ऑर्गेन ट्रांसप्लांट का कोई अस्पताल होना चाहिए। लैकिन किसी सकारी अस्पताल तो नहीं लेकिन कातरगाम स्थित किरण अस्पताल में वह सुविधा अब शुरू हो गई है।

सूरत में लंबे समय से ऑर्गेन ट्रांसप्लांट की मांग की जा रही थी, अब दक्षिण गुजरात के लोगों को भी मिल सकेगा इसका लाभ



सीटी स्कैन में ब्रेन हेमरेज की पुष्टि

बहन के साथ मोपेड पर सवार वलसाड निवासी योगा टीचर 40 वर्षीय रंजनबेन प्रवीणगांई चाचा 30 सिंतंबर को सड़क हादसे का शिकार हो गई। वलसाड के लैकिन अस्पताल में तृण सीटी स्कैन में ब्रेन हेमरेज की पुष्टि हुई। इसके बाद उन्हें सूरत एफस अस्पताल भेजा गया। जहां न्यूरो संजन डॉक्टर के सी जैन ने इलाज शुरू किया। शनिवार को रंजनबेन को ब्रेन डेंड घोषित कर दिया गया। लैकिन समझाने के बाद उनके परिजन अंगदान के लिए तैयार हो गए।

दोनों किडनी व कॉर्निया भी दान

सूरत किरण अस्पताल के डॉक्टर रवि महेवा और डॉक्टर टीम ने लैकिन स्वीकार किया। अलमदाबाद के आईकोडीआरसी अस्पताल ने दोनों किडनी, जबकि लौक द्वाट चबु बीक ने डोनेट हुई कॉर्निया को स्वीकार किया। लिवर के ट्रांसप्लांट को डॉक्टर रवि, डॉ. प्रशांत और उनकी टीम ने सफल बनाया। डॉक्टरों कहता है कि सूरत के अस्पताल में यह सुविधा होने के बाद अब सूरत महिल दक्षिण गुजरात के लोग भी इसका लाभ ले सकेंगे।

सुरतनी किरण होस्पिटलमां प्रथमवार लिवरनु ट्रांसप्लांट वलसाडना ब्रेनडेड योग शिक्षिकाना अंगोनु दान थतां पांचने नवुं छवन लिवर सुरतना उद्योगपतिने तो किडनी राजकोट-आशांदनी महिलाने

हेल्प रिपोर्ट | सुरत



अक्षमात भाद्र
ब्रेनडेड शहर
करायेला योग
शिक्षिकाना
परिवारे तेमना
अंगोनु दान
रंजनबेन चावडा
करी 5 व्यक्तिने

नवु छवन आधुं छे. जेमां सुरतमां सौप्रथम वभत लिवरनु ट्रांसप्लांट किरण होस्पिटलमां एक उद्योगपतीमां करायुं छे. ज्यारे एक किडनीनु राजकोटनी महिलामां अने

लोकदण्डी यक्षुबेंके आंघोनु दान स्वीकार्य

किरण होस्पिटलनी टीमे सुरतमां सौप्रथम वभत लिवरनु ट्रांसप्लांट कर्यु छे. शहेरना उद्योगपतिने नव छवन मध्युं छे. जे किडनीओ पैकी एकनु अमदावादनी आरकेशीआरसी होस्पिटल खाते राजकोटनी 40 वर्षीय महिलामां ज्यारे बीजनु वडोदरानी भाईलाल अभीन होस्पिटलमां आशांदनी 45 वर्षीय महिलामां करायुं छे. ज्यारे यक्षुबेंक दान सुरतनी लोकदण्डी यक्षुबेंक द्वारा स्विकारवामां आधुं छे.

एक किडनीनु आशांदनी महिलामां बाद तेमने ब्रेनडेडरेज थयुं हतुं. ट्रांसप्लांट करायुं छे. वलसाड माझेक बाग खाते रहेता रंजनबेन प्रविष्टाभाई चावडा (40) योगा टीचर हता. 30 सप्टेम्बरे अक्षमात बाद तेमने ब्रेनडेडरेज थयुं हतुं. सुरतनी एपल होस्पिटलमां दाखल कराया बाद डोनेट लाईफनी टीमे परिवारनी संभति बाद अंगदान स्वीकार्यु हतुं.

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

યોગશિક્ષણથી લોકોને તંદુરસ્તીના પાઠ ભણાવનાર મહિલા અંગદાન થકી મૃત્યુ પછી પણ 'ઉપયોગી' બન્યાં

અંગદાનમાં મોખ્યે સુરતમાં સૌપ્રથમવાર લિવર ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

સુરત, ગુજરાત ચ્યારેન્ટ્સ હોસ્પિટના પરિવારે તેમના ડિન્ની, મળ્યું છે. સુરતમાં ડિન્ના લોસ્પિટલ જરૂર જાતે રહેતો વાકરાર પ્રાજ્ઞા ૪૦ તનુઝાના બચે જ્યા મોષેડ ૫૨ વર્ષની બાળ અંગદાન, મહિલાન, જીવનદાનને લિવર અને ચુંચુઓનું ધ્રુવ કરી પાંચ વર્ષ કોણ પાર સાર્વિક કરતી ધરના વ્યક્તિઓના જીવનમાં ઉત્તસ રેખાઓ વર્ષનું છે. ઉપરાંત, ચુંચાતાનો હેલ્પ વૈગન અભ્યાસ ચલાવતા હતો. તેમના લોક્ઝી પણે, એસટી વર્લ્ડોપ્સી સાથે એક મહિનામાં ચુંચાની બ્રેઇનડેચ પતિ પ્રવિષ્ટ ચાલા વલસાડમાં પ્રાર્થિત એક અભિયાન વાહનથાકે જેફલટલાદી



સુરતમાં જની છે, વલસાડના સેગવી છે. તેમના લીવરદાનથી સુરતના એક ગામના બ્રેઇનડેચ યોગશિક્ષિકા રજનભેન દ્વારા પ્રતિ અને સમાજસેવકના નવજીવન

વલસાડના સેગવી ગામના બ્રેઇનડેચ યોગશિક્ષિકાના પરિવારે તેમના ડિન્ની લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરી પાંચ વર્ષની જીવનમાં ઉજાસ ફેલાવ્યો લિવરદાનથી સુરતના એક ઉદ્ઘોગપતિ-સમાજસેવકને નવજીવન મળ્યું: એક મહિનામાં સુરતમાંથી બ્રેઇનડેચ વ્યક્તિઓનાં અંગદાનની છદ્રી ઘટના

વ્યક્તિઓના અંગદાનની આ છદ્રી ઘટના તરીકે કર્યા જાનને બાળની ટક્કર મારત તેમો છે. ૧૬ વર્ષથી પુત્ર દીતે ચાલન ચલાની ટક્કર મારત તેમો છું પો. ૧૧૮માં અભ્યાસ કરે છે. ગત મોષેડ પણી નીચે પટકાયા હતા અને

મુજબ મેલાણી, મહેનનગરના વાળની ૩૮.૩૦ કલે. ચોંગ અને ૧૦:૦૦ માયામાં ગંબિર રીતે ધરાવી તાત્કાલિક અને વલસાડના માઝે આજ, સેગવી વાર્ષયે રજનભેનને તેમના અને

* અનુસંધાન પાના ૫ ઉપર

અંગદાનમાં મોખ્યે સુરતમાં...

વલસાડના લોસ્પિટલમાં દાના કરાયા હતો. સિટી સેન કરાવતા બ્રેઇન ડેમેરેશન પ્રાર્થે મગજમાં લોકીનો ગર્ભ, સોંગે તથા કેચર હોવાનું નિર્ધાર હથું હતું, તથા પ્રાથ્યક સારવાર આચાય હાટ હથું સારવાર માટે સુરતની એપ્લ હોસ્પિટલમાં ન્યુરોલોજીન ડેપ્ટો, જીવનની સારવાર ડેઢ ધારાખ કરાયા હતો.

ન્યુરોલોજીન ડેપ્ટો, કે.સી.જી.ને ફેનાન્સિનેની કરી મગજમાં જીવેલો વોડીનો ગર્ભ દૂર કર્યો હતો. પરંતુ તેમની છાલત નાચું હતો. આપણે તૂ. ૦૨ એક્સોના દોષ રાખે કરાયા હતો. કે.સી.જી.ને ફેનાન્સિનેની કરી મગજમાં જીવેલો વોડીનો ગર્ભ દૂર કર્યો હતો. પરંતુ તેમની છાલત નાચું હતો. આપણે તૂ. ૦૨ એક્સોના દોષ રાખે કરાયા હતો. કે.સી.જી.ને અંગદાન માટેના જીવીતી સંસ્કૃતી 'પોરેટ લાઈફન' પ્રમુખ નિવેદ્ય માંડિનેવાલાનો ટેલિકો-નીક સંપરી કરી રજનભેનના બ્રેઇનડેચ થાં નેંબે વાડેક કર્યા હતું.

નેનેટ લાઈફની ટીમે લોસ્પિટલ પહોંચી રજનભેનના પતિ પ્રવિષ્ટ ચાલા તેમજ પરિવારના અન્ય સભ્યોને

અંગદાનનું મહત્વ અને તેની સમાજ પ્રક્રિયા સમજાવી. રજનભેનના પતિ પ્રવિષ્ટ ચાલાને બારે કહ્યે રહ્યાં હતું કે, 'આર પાની ક્રેન્ડિનેડ છે, અને તેનું મૃત્યુ નિષ્ક્રિત છે કે, શરીર બાળને રાખ શક્ય હોય છે, તેના કરતા તેમના અંગેનો દાન છક્કી ઓર્જિનલ નિફાળાના ટાઇંપ્લાન્ડ એન્ટ્સિન્ફેન્નેની નાનું જીવન મળતું હોય તો તેનાથી હું આરી માનવરૂપા શું હોઈ શકે? સમજ પરિવારે અંગદાન માટે સંમતિ આપાય કરેટ ઓર્જનન એન્ડ ટીસ્યુ ટ્રાન્સપલાન્ટ (SOTTO)ના ટ્રાન્સપલાન્ટ ટેન્સોડીનિન્ટનનો સર્પક કરી ડિન્ની અને વિવરાના દાન માટે જરૂરાચ્ચુ. SOTTO દ્વારા લિવર સુરતની ડિન્ના લોસ્પિટલને જ્યારે ડિન્ની અમદાવાદની અમન્ડાવાદની ઈન્સ્ટીટ્યુટ ઓફ ડિન્ની ડિન્નીસ એન્ડ રિસર્ચ સેટરને (IKDRC) ને કાળવાનાં જાવી.

સુરતની ડિન્ના લોસ્પિટલના ટી.રવિ. મોહનના અને તેમની ટીમે લીવરાનું ધ્રુવ પછી એનેટ લાઈફની એપ્લ પતિ પ્રવિષ્ટ ચાલા અન્ય સભ્યોને

સ્વીકાર્ય, અમદાવાદની IKDRC લોસ્પિટલના ટી.સુરેશકુમાર અને ટીમે ડિન્ની અને ચુંચુઓનું દાન બોક્સની ચુંચુએના ટી.પ્રકુપ શિરાવાને સ્વીકાર્ય.

અંગદાનમાં મેળવવાનાં આવેલા વિવરનું ટ્રાન્સપલાન્ટ સુરતની ડિન્ના લોસ્પિટલમાં શાદેના જાણીતા નિષ્ક્રિત છું હતું અન્ગોંને અનીસ્યુઓનું દાન બોક્સની ચુંચુએના ટી.પ્રકુપ શિરાવાને સ્વીકાર્ય. અંગદાનમાં મેળવવાનાં આવેલા વિવરનું ટ્રાન્સપલાન્ટ સુરતની ડિન્ના લોસ્પિટલમાં શાદેના જાણીતા નિષ્ક્રિત છું હતું અન્ગોંને અનીસ્યુઓનું દાન મેળવવાનાં ગંબિર રીતે ધરાવતા નાનું જીવન આપવાનાં સરકાતા મળી છે.

સુરત અને દુષ્પાત્ર ચુંચાતાની બ્રેઇનડેચ ચાલા આજ સુધી કુલ રૂપ. ૩૮૩૧, ૧૧૧ અન્ય સભ્યોને અનીસ્યુઓનું દાન બોક્સની ચુંચુએના ટી.પ્રકુપ શિરાવાને સ્વીકાર્ય. અનુસંધાન પાના ૫ ઉપર

રૂ. લિવર, ૧૦ કલે, ૧૫ કેલ્સા, ૧ પેન્ડીઅલસ અને રૂ. ચશુઓને સહિત કુલ ૧૫ અંગોંને અનીસ્યુઓનું દાન મેળવવાનાં વિદેશના કુલ ૧૩૨ અન્નોન નિષ્કળાયા દર્દીનાને નાનું જીવન આપવાનાં સરકાતા મળી છે.

સુરત અને દુષ્પાત્ર ચુંચાતાની બ્રેઇનડેચ ચાલા આજ સુધી કુલ રૂપ. ૩૮૩૧, ૧૧૧ લિવર, ૮ પેન્ડીઅલસ, ૩૬ કલે, ૨૦ કેલ્સા અને ૩૦૮ ચશુઓ મળી કુલ રૂપ. ૪૪૮ અન્ય સભ્યોનું દાન મેળવવાને ૧૦૦ અંગોને નાનું જીવન આપવાનાં સરકાતા મળી છે.

લિવરને સંપરાર ડિરાનું લોસ્પિટલ પદ્ધતિયાના માટે સુરત શરેર પોલોસના ચાલકારીની ડિન્ની અનીસ્યુઓનું દાન બોક્સની ચુંચુએના લોસ્પિટલમાં લિવર અને ડિન્નીનું ટ્રાન્સપલાન્ટ અમદાવાદની IKDRCને ચારોથેની રહેવાની છું વર્ષથી મહિલામાં અને બોક્સની ચુંચુએનું ટ્રાન્સપલાન્ટ વ્યક્તિની અનીસ્યુઓનું દાન બોક્સની ચુંચુએના લોસ્પિટલમાં લિવર અને ડિન્નીનું ટ્રાન્સપલાન્ટ શરૂ ચલાને આરો તેણે વાલ સમય દર્દીની ચુંચુએના લોસ્પિટલના પણીને ગણે.

" જીતે જી રક્તદાન, બ્રેનડેચ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્દયદાન..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

વલસાડની શિક્ષિકાના અંગદાનના પગલે અન્ય પાંચ લોકોને નવજીવન મળ્યું

સુરતમાં લિવર ટ્રાન્સપ્લાન્ટની સૌપ્રથમ ઘટના શિક્ષિકાનું લિવર સુરતનાં જ ઉદ્ઘોગપતિને અપાયું

સુરત, તા. ૩

વલસાડ ખાતે અક્સમાતમાં બ્રેઇન્ડેડ થયેલા યોગ શિક્ષિકાને સુરતમાં સારવાર વેળા બ્રેઇન્ડેડ જાહેર કરતા પરિવાર હતું અને તેમને માચામાં ગંભીર ઠીક દારા વલસાડની ખાનગી હોસ્પિટલમાં હતું. જોકિ યોગ શિક્ષિકાના અંગોના દાનાના પગલે તેણીનું લિવર સુરતમાં પ્રથમવાર સુરતના ઉદ્ઘોગપતિ અને સમજસેવકમાં હોયાં હતું.

વલસાડના માઝેક ખાતે રહેતા યોગ શિક્ષિકા ૪૦ વર્ષથી રજનભેન ચારાબાર અપાયા ભાડ વધુ સારવાર પ્રવિષ્ટાઈ ચાવડ ગત ૩૦ સાઠેભલણા હેજ સવારે તેમના ક્રેસ્ટી તેમના બેન તુઝાને ત્યાં મોએડ પર જવા માટે નીકુણ્યા રજનભેનને બેન્ડેડ થાંડ કરી હતી. જેણી જાળ રેનેટ લાઈફની ટીમને બના રહેનો હતો. શોરો જરા લિવર સુરતની આઈવાં અમીન આયું હતું.



પછી લોસ્પિટલ પણોચી રજનભેનના પણીલાજનોને અંગદાનનું મહત્વ અને તેની સમજ પ્રક્રિયા સમજાવી રહિયા હોયાં હતી. શોરો જરા લિવર સુરતની કિડની કાંદાની આઈવાં અમીન આયું હતું.

લોસ્પિટલને ક્રેસ્ટોવામાં આવી હતા.

દાનમાં મેળવવામાં આવેલા લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતની ડિરાજ હોસ્પિટલમાં રહેણા જાહીર હોયોપતિ અને સમાજ સેવકમાં હોયું છે. જ્યારે દાનમાં મેળવવામાં આવેલી એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની આઈડીરીઆરસીમાં રાજશોટની રહેવાસી ૪૦ વર્ષથી મહિલામાં અને બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કોરદાની બાઈલાલ અમીન હોસ્પિટલમાં આરંધની રહેવાસી ૪૫ વર્ષથી મહિલામાં કરવામાં આવ્યું છે. સુરત અને દાન ગુજરાતમાંથી રેનેટ લાઈફ દાન આજ સુધી કુલ ૧૦૯ કિડની, ૧૭ લિવર, ૮ પેંડીઅસ, ૩૬ ફાફ, ૨૦ કેન્દ્રા અને ૩૦૮ ગશુઓ મળી કુલ ૮૮૮ અંગોને અને ટીસ્પુંનું દાન મેળવીને ૮૭૦ વિકિતાને નવું જીવન અને નવી દ્વારા બલાયામાં જરૂરી મળી છે.

રેનેટ લાઈફ સંસ્થાના છિલ્લા એક મહિનામાં ૩૦ વિકિતાને નવજીવન મળ્યું

રેનેટ લાઈફ આગેવાનિ નિવેસલાઈ માંથેવાલાને જ્ઞાનાં

દર્દું કે, ગુજરાતમાં છિલ્લા એક

મહિનામાં સુરતની રેનેટ લાઈફ

કરવાની આ છી ઘટના છે. જેણા

થી ૩૦ વિકિતાને નવું જીવન

મળ્યું છે. જ્યારે ક્રેસ્ટોવામાં મહિલામાં

વદ્યે પણ ૧ રૂપ અંગોનું દાન

કરવામાં આવ્યું છે. સુરત અને

દાન ગુજરાતમાંથી રેનેટ લાઈફ

દાન આજ સુધી કુલ ૧૦૯ કિડની,

૧૭ લિવર, ૮ પેંડીઅસ, ૩૬ ફાફ,

૨૦ કેન્દ્રા અને ૩૦૮ ગશુઓ

ચારું નવું જીવન અને નવી

દ્વારા બલાયામાં જરૂરી મળી છે.

માર્ગ અક્સમાતમાં બ્રેઇન્ડેડ જાહેર કરાયેલ

વલસાડની શિક્ષિકાના અંગોનું દાન કરાયું : પાંચ લોકોને નવજીવન મળ્યું

(સંચાદાતા દ્વારા)

સુરત, તા. ૩

વલસાડ ખાતે અક્સમાતમાં બ્રેઇન્ડેડ થયેલા યોગ શિક્ષિકાને સુરતમાં સારવાર વેળા બ્રેઇન્ડેડ જાહેર કરતા પરિવાર હતું અને તેમના બેન તુઝાને ત્યાં મોએડ પર જવા માટે નીકુણ્યા હતા. ત્યારે જ વલસાડ પરમપૂર્ણ ચોકી પાસે એસ. ટી. વર્ધશોપની સામે એક

અજાણ્યા વાહનચાલકે ટક્કર

મારતા રજનભેન મોએડ પૂર્થી નીચે પરી ગયા હતા. અને તેમને માચામાં ગંભીર ઠીક દારા વલસાડની ખાનગી હોસ્પિટલમાં દાખલ કરી નિદાન માટે સીટી સેન કરાવતા બેન હેમરેજની સાથે સાથે મગજમાં લોહીનો ગડો, સોજો તથા ફેકટર લોવાનું બાદાર આયું હતું. જ્યાં પરિવારે ખાનગી હોસ્પિટલમાં પ્રાથમિક સારવાર અપાયા ભાડ વધુ સારવાર માટે સુરતની ખાનગી હોસ્પિટલમાં દાખલ કરવામાં આવ્યા હતા. જ્યાં ડેક્ટર દાના કેનિનોથેમી કરી મગજમાં લોહીનો ગડો દૂર કર્યો હતો. પરંતુ જતરોજ એપલ હોસ્પિટલના પેન્ટરાને રજનભેનને બેન્ડેડ જાહેર કરી હતી. જેણી જાગ્ર એનેટલાઈફની ટીમને થતાને પણ હોસ્પિટલ પણોચી રજનભેનના પરિવારજનોને અંગદાનનું મહત્વ

અને તેની સમગ્ર પ્રક્રિયા સમજાવી

હતી. દાનમાં મેળવવામાં આવેલા લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતની ડિરાજ હોસ્પિટલમાં શહેરના જાહીતા ઉદ્ઘોગપતિ અને સમાજ સેવકમાં કરવામાં આયું છે. જ્યારે દાનમાં મેળવવામાં આવેલી એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની આઈડીરીઆરસીમાં રાજશોટની રહેવાસી ૪૦ વર્ષથી મહિલામાં અને બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કોરદાની બાઈલાલ અમીન હોસ્પિટલમાં આરંધની રહેવાસી રહેવાસી ૪૫ વર્ષથી મહિલામાં કરવામાં આવ્યું છે. ચયુનોનું દાન લોકદિનાં ૪૫ વર્ષથી મહિલામાં અને બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની આઈડીરીઆરસી માં રાજશોટની રહેવાસી ૪૦ વર્ષથી મહિલામાં અને બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું છે. ચયુનોનું દાન લોકદિનાં આજ સુધી કુલ ૧૦૯ કિડની, ૧૭ લિવર, ૮ પેંડીઅસ, ૩૬ ફાફ, ૨૦ કેન્દ્રા અને ૩૦૮ ગશુઓ મળી કુલ ૮૮૮ અંગોને અને ટીસ્પુંનું દાન મેળવીને ૮૭૦ વિકિતાને નવું જીવન અને નવી દ્વારા બલાયામાં જરૂરી મળી છે.

" જીતે જી રક્તદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયદાન..."



વલસાડની યોગ શિક્ષિકાનું લીવર સુરતના ઉદ્ઘોગપતિમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અંગદાન થકી મળેલા લીવરનું પ્રથમ વખત સુરતમાં જ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

| સુરત |

વલસાડની વણકર સમાજની બેઈનડેડ યોગ શિક્ષિકાના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું છે. સુરતમાં દાનમાં મળેલા લિવરનું સૌપ્રથમ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ શહેરની જાણીતી હોસ્પિટલમાં થયું હતું. યોગ શિક્ષિકાનું લિવર સુરત શહેરના ઉદ્ઘોગપતિમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું.



વલસાડ, સેગવીના માણોક બાગમાં રહેતા રંજનબેન પ્રવીણભાઈ ચાવડા

(ઉ.વ. ૪૦) યોગ શિક્ષિકા હતા. ગત તા. ૩૦મીએ સવારે તેઓ મોપેડ પર તેમના બેનના ઘરે જવા નીકળ્યા હતા. ત્યારે વલસાડ ધરમપુર ચોકડી પાસે એસ.ટી. વર્કશોપની સામે અજ્ઞાયા વાહનચાલકે ટક્કર મારતા અકસ્માત સર્જાયો હતો. જેમાં રંજનબેનને માથામાં ગંભીર ઠંડા થતાં વલસાડની હોસ્પિટલમાં ખસેડાયા હતા. જ્યાં સીટી સ્કેન સહિતની તપાસ દરમિયાન તેમને બેઈન હેમરેજને કારણે મગજમાં લોહીનો ગઢો, સોજો તથા ફેક્ચર હોવાનું નિદાન થયું હતું. રંજનબેનને વધુ સારવાર માટે એપલ હોસ્પિટલમાં ખસેડાઈ હતી. જ્યાં શનિવારે તબીબોએ રંજનબેનને બેઈનડેડ ઘોષિત કર્યા હતા. જેની જાગ્રત્ત તબીબોએ ડોનેટ લાઈફની ટીમને કરી હતી. ત્યારબાદ ડોનેટ લાઈફની ટીમે પરિવારને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવતા તેઓ રંજનબેનના અંગોનું દાન કરવા સહમત થયા હતા.

રંજનબેનની બંને કિડનીનું દાન અમદાવાદની ઈન્સિટટ્યુટ ઓફ કિડની ડિસ્સીજ એન્ડ રિસર્ચ સેન્ટર અને બંને ચક્ષુનું દાન લોકટટિ ચક્ષુબેંકે સ્વીકાર્યું હતું. જ્યારે લીવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કિરણ હોસ્પિટલમાં સુરતના ઉદ્ઘોગપતિમાં કરાયું હતું.

" જીતે જી રક્તદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્દયદાન..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

સુરતમાં સૌપ્રથમવાર લિવર ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

વલસાડના સેગવી

ગામના ફેઈનડેક યોગ શિક્ષિકાનું લિવર સુરતના ઉદ્ઘોગપત્રી જ્યારે કિડની રાજકોટ અને આણંદની મહિલાના શરીરમાં કામ કરશે

સુરત : વલસાડના સેગવી ગામના ફેઈનડેક પોગચિયિકા રંજનબેન

ચાવડાના પરિવારે તેમના કિડની, લિવર અને ચલુઓનું દાન કરી પણ વ્યક્તિગતોના જીવનમાં ઉલાસ ફેલાયો છે. તેમના લાવરડાનથી મુસ્તાના એક ઉદ્ઘોગપત્રી અને સમાજસેવકને નવજીવન મળ્યું છે.

સુરતના કિરણ હોસ્પિટથી ખારે ભાજોક બાગ, સેગવી ગામ જાતે સૌપ્રથમવાર લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરેતો વલસાડ સમાજના ૪૦ વર્ષિયા



કરાયું છે. ઉપરાંત, ગુજરાતમાં છેલ્લા એક મહિલામાં સુરતમાંથી બેણન્ડેક વ્યક્તિગતોના અગદાનની આ છઠી ઘટના છે.

મૂળ મોરબી, ખંડનગરના વતની અને વલસાડના

રંજનબેન પ્રવિષ્ટામાઈ ચાવડા થોગના લલાસિસ ચલાવતા હતો. તેમના પતિ પ્રવિષ્ટામાઈ વલસાડમાં પ્રાઈવેટ રીડિક્સ ફરજ ભજાવે છે. ૧૬ વર્ષિય પુત્ર જ્ય પો. ૧૧માં અભ્યાસ કરે છે. જત તા.૩૦ જારે.ના રોજ સવારે ૧૦:૦૦ વાગ્યે સ્વ.રંજનબેન તેમના બદેન તનુજીવા થરે જવા મોંપેડ પર જઈ રહ્યા હતા, એ સમયે વલસાડ ધરમપુર યોકી પાસે, એસ.ટી. વર્કરોપની અનુસંધાન યાના ચ પડ છે

સુરતમાં સૌપ્રથમવાર...

સામે એક અજાદ્યા આખરે તા. ૦૨ ઓક્ટોબર.ના રોજ સુરતમાંથી ગેવલતભરી રીતે તેમને બેણન્ડેક જાહેર કરાયા ભાઈ નરાંધેન્દ્રાઈ તેમજ રાજકોટની રહેવાસી ૪૦ વર્ષિય મહિલામાં અને બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ આંદોની રહેવાસી ૪૫ વર્ષિય મહિલામાં કરવામાં આવ્યું છે. જ્યારે ચલુઓનું દાન લોકટ્રિચ ચલુઓનું ડૉ.મહુલ શિરોયાંબે સ્વાક્ષર્યું.

વલસાડના યોગ શિક્ષિકા મૃત્યુ બાદ અંગદાન થકી પાંચ માટે ઉપર્યોગી થયા

(પ્રતિનિધિત્વદાર)

સુરત રવિવાર

વલસાડના વાલીકર સમાજના બેણન્ડેક યોગ શિક્ષિકાનું કિડની, લિવર અને ચલુઓનો દાનથી પાંચ વ્યક્તિગતોને નવજીવન મળ્યું છે. આ રાત્રે સુરતમાં લિવર ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સૌપ્રથમ ઘટના નોંધાઈ છે.

સુરતમાં લિવર ટ્રાન્સપ્લાન્ટની સૌ પ્રથમ ઘટના : જાણીતા ઉદ્ઘોગપત્રી અને સમાજસેવકમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

મૂળ મોરબીના મહેન્ડ્ર નવજીવન યત્ની અને બાવળાના વલસાડના સેગવી ગામના મારોઝાળું એકેતા ૪૦ વર્ષાના રંજનબેન પ્રવિષ્ટામાઈ ચાવડા થોગ શિક્ષક તરીકે કલાંસિલિયલવાળા હતા. તા. ૦૨નેંસેવારે વધેશી મોંપેડ પર બેન તનુજીવના ટાં જઈ રહ્યા હતા તારે વલસાડના પરમપૂર્ણ રોડ પર એસ.ટી. વર્કરોપથી જ્યાદાચાં કાચકે મોંપેને ટકર મારત તેમને સારવાર માટે વલસાડના ખાલગી હોસ્પિટથી દાખાન કર્યા હતા. બેણન્ડેક હેમોટૈલાન્સ ફરજીનું નિદાન થયું હતું. જ્યો. ૨૫ સારવાર માટે સુરતના ખાલગી હોસ્પિટથી દાખાન કર્યું હતા. જ્યાં રનીવારે તેમને ન્યૂરોસર્જન, ન્યૂરોક્રિયાથીન સહિતના ટ્રેકરોને બેણન્ડેક હાલે થાયો હતા. એનેટ

લાઈની રીપેનોલિયલ પોચી રંજનબેનની પરિવારજીને અભ્યાસનું કાલ્ય સામગ્રેચું છુટું. સુરતના ખાલગી હોસ્પિટથી એકસ્પેશન કેન્દ્રની વ્યક્તિગતોનું પાનગી હોસ્પિટથી એકસ્પેશન વીનેકિડનું પાનગી હોસ્પિટથી એકસ્પેશન વીનેકિડનું દાન સીદ્ધાર્થી હતું. જ્યારે ચલુઓનું દાન લોકલી ચલુઓને સીદ્ધાર્થી હતું. દાનમાં મળેલું લિવરનું સુરતના માઈટ હોસ્પિટથાનું પરિણામી હોસ્પિટથાનું કરવામાં આવી છે. રંજનબેન પત્રી વલસાડના પ્રાઈવેટ રીડિક્સ ફરજ ભજાવે છે. પુત્ર જ્ય (૧૦.૧, ૧૬) પો. ૧૧માં અભ્યાસ કરે છે.

" જીતે જી રક્તદાન, બ્રેનડેક કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્યદાન..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

Date: January, 2006 to 2nd October, 2021

406

KIDNEY

171

LIVER

8

PANCREAS

36

HEART

20

LUNGS

308

CORNEA

**Total 949 Organs & Tissues donated which has given
New Life & Vision to 870 persons across Country & Globe.**

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."